

वदिशी मुद्रा भंडार में कमी

चर्चा में क्यों?

भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) के हालिया आँकड़ों की मानें तो 26 मार्च, 2021 को समाप्त हुए सप्ताह में भारत के वदिशी मुद्रा भंडार में 2.986 बलियिन डॉलर की कटौती देखने को मली है और वह घटकर 579.285 बलियिन डॉलर तक पहुँच गया है।

- वदिशी मुद्रा भंडार के स्वरण आरक्षति घटक में बढ़ोतरी देखने को मली है, जबकि अन्य घटकों जैसे- वशिष आहरण अधिकार (SDR), वदिशी परसिंपत्तियों और IMF के पास रज़िर्व ट्रेंच आदि में गरिवट दर्ज की गई है।

प्रमुख बढि

परचिय

- वदिशी मुद्रा भंडार का आशय केंद्रीय बैंक द्वारा वदिशी मुद्रा में आरक्षति संपत्तियों से होता है, जसिमें बॉण्ड, ट्रेज़री बलि और अन्य सरकारी परतभूतियों शामिल होती हैं।
 - गौरतलब है कि अधिकांश वदिशी मुद्रा भंडार अमेरिकी डॉलर में आरक्षति किये जाते हैं।

वदिशी मुद्रा भंडार का उद्देश्य

- मौद्रिक और वनिमिय दर परबंधन हेतु नरिमति नीतियों के परतसिमर्थन और वशिवास बनाए रखना।
- केंद्रीय बैंक को राष्ट्रीय या संघ मुद्रा के समर्थन में यथासंभव हस्तक्षेप करने की क्षमता प्रदान करना।
- संकट के समय या जब उधार लेने की क्षमता कमज़ोर हो जाती है, तो संकट के समाधान के लिये वदिशी मुद्रा तरलता को बनाए रखते हुए बाहरी प्रभाव को सीमति करता है।

भारत के वदिशी मुद्रा भंडार में नमिनलखिति को शामिल किये जाता है:

- वदिशी परसिंपत्तियाँ (वदिशी कंपनियों के शेयर, डबिंचर, बॉण्ड इत्यादि वदिशी मुद्रा में)
- स्वरण भंडार
- IMF के पास रज़िर्व ट्रेंच
- वशिष आहरण अधिकार (SDR)

वदिशी मुद्रा परसिंपत्तियाँ

- वदिशी मुद्रा परसिंपत्तियाँ वे हैं जिनका मूल्यांकन उस देश की अपनी मुद्रा के बजाय किसी अन्य देश की मुद्रा में किये जाता है।
- FCA वदिशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक है। इसे डॉलर के संदर्भ में व्यक्त किये जाता है।
- गैर-अमेरिकी मुद्रा जैसे- यूरो, पाउंड और येन की कीमतों में उतार-चढ़ाव को FCA में शामिल किये जाता है।

स्वरण भंडार

- केंद्रीय बैंकों के वदिशी भंडार में सोना एक वशिष स्थान रखता है, क्योंकि इसे मुख्य तौर पर वविधीकरण के उद्देश्य से आरक्षति किये जाता है।
- इसके अलावा स्वरण के भंडार को किसी देश की वशिषसनीयता का प्रतीक माना जाता है।
- उच्च गुणवत्ता और तरलता के साथ स्वरण अन्य पारंपरिक आरक्षति परसिंपत्तियों की तुलना में बेहद अनुकूल होता है, जो केंद्रीय बैंकों को मध्यम और दीर्घकाल में पूंजी संरक्षण, पोर्टफोलियो में वविधिता लाने और जोखिमों को कम करने में मदद करता है।
 - स्वरण ने अन्य वैकल्पिक वित्तीय परसिंपत्तियों की तुलना में लगातार बेहतर औसत रटिर्न दिया है।

वशिष आहरण अधिकार (SDR)

- वशिष आहरण अधिकार को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) द्वारा 1969 में अपने सदस्य देशों के लिये अंतर्राष्ट्रीय आरक्षण संपत्ति के रूप में बनाया गया था।
- SDR न तो एक मुद्रा है और न ही IMF पर इसका दावा किया जा सकता है। बल्कि यह IMF के सदस्यों का स्वतंत्र रूप से प्रयोग करने योग्य मुद्राओं पर एक संभावित दावा है। इन मुद्राओं के लिये SDR का आदान-प्रदान किया जा सकता है।
- SDR के मूल्य की गणना, 'बास्केट ऑफ करेंसी' में शामिल मुद्राओं के औसत भार के आधार पर की जाती है। इस बास्केट में पाँच देशों की मुद्राएँ शामिल हैं- अमेरिकी डॉलर, यूरोप का यूरो, चीन की मुद्रा रेंमिनिबी, जापानी येन और ब्रिटन का पाउंड।
- वशिष आहरण अधिकार ब्याज (SDRi) सदस्य देशों को उनके द्वारा धारण किये जाने वाले SDR पर मलिनने वाला ब्याज है।

IMF के पास रज़िर्व ट्रेंच

- रज़िर्व ट्रेंच वह मुद्रा होती है जिसे प्रत्येक सदस्य देश द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) को प्रदान किया जाता है और जिसका उपयोग वे देश अपने स्वयं के परियोजनाओं के लिये कर सकते हैं।
- रज़िर्व ट्रेंच मूलतः एक आपातकालीन कोष होता है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सदस्य देशों द्वारा बना किसी शर्त पर सहमत हुए अथवा सेवा शुल्क का भुगतान किये किसी भी समय प्राप्त किया जा सकता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/decline-in-forex-reserves>

